हमने सुहागरात कैसे मनाई

“अन्तर्वासना के सभी पाठकों को नमस्कार ! मैंने अपनी कहानी पुसी की किस्सी में जैसा आपसे वादा किया था कि ‘हमने सुहागरात कैसे मनाई’ यह बताऊँगा, तो लीजिए इस बार अपनी सुहागरात की बात आपके समक्ष रख रहा हूँ। मेरी शादी ठीक से हुई, मेरे जिम्मे सिर्फ़ दो काम थे, पहला घर और ससुराल में […] …”

Story By: जवाहर जैन (jawaherjain)
Posted: Wednesday, August 31st, 2011
Categories: इंडियन बीवी
Online version: हमने सुहागरात कैसे मनाई

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हमने सुहागरात कैसे मनाई

अन्तर्वासना के सभी पाठकों को नमस्कार !

मैंने अपनी कहानी
पुसी की किस्सी में जैसा आपसे वादा किया था कि ‘हमने सुहागरात कैसे मनाई’ यह बताऊँगा, तो लीजिए इस बार अपनी सुहागरात की बात आपके समक्ष रख रहा हूँ।

मेरी शादी ठीक से हुई, मेरे जिम्मे सिर्फ़ दो काम थे, पहला घर और ससुराल में शादी की सभी परम्पराएँ पूरी करना और दूसरा शादी में शामिल मेहमानों से शादी की शुभकामनाएँ स्वीकारना !

इसके अलावा शादी की तैयारियों के कई काम भी जो चलते फिरते मुझे नजर आते, जल्दी ही उन्हें करना पड़ता या उन्हें करने के लिए किसी को कहना पड़ता।

बारात लेकर स्नेहा के गांव जाना और फ़िर स्नेहा के साथ शादी करके लौटते समय तक तो मैं बहुत थक गया था। पर सारी थकान इस सोच से दूर करता कि अब स्नेहा मुझे रोज चोदने के लिए मिल गई है।

हमारे समुदाय में एक कहावत है- ‘लुगाई रो हाथ कर ले अपणा, सख्ती कम जोर घणा’

इस कहावत को चरितार्थ होते मैंने अभी ही देखा। मेरी सारी थकान तब फुर्र हो जाती जब स्नेहा का हाथ ऊपर से ही सही मेरे लंड पर लग जाता। इस आनन्द को बताने मुझे शब्द नहीं मिल रहे हैं। पर साथ ही मैं महसूस कर रहा था कि स्नेहा भी मेरे साथ सैक्स का यह खेल खेलने का मजा ले रही है। उसे जब भी मौका मिलता, वह मेरे लंड पर हाथ रख देती।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लौटते में हम अपनी कार में थे और ड्राइवर तथा मेरे भाई के दोनो बच्चे साथ में होने के कारण हमें ज्यादा कुछ करते नहीं बना। बस कभी वह मेरे लंड को छू लेती, या मैं उसके बूब्स या चूत दबा देता।

कार में स्नेहा ज्यादातर सोते हुए ही आई। हम लोग शाम तक घर पहुंचे, और आज रात को ही हमारी सुहागरात थी। सो घर पहुँचते ही मैं सोया, रात को जागना था ना इसलिए।

करीब दो घण्टे बाद मैं उठा, देखा तो पूरा कमरा फूलों से सजा हुआ था। कमरे से बहुत अच्छी खुशबू आ रही थी, रूम फ्रेशनर स्प्रे किया गया था। मैं अभी कमरे को देख ही रहा था कि वहाँ भाभी आ गई।

उन्होंने मुझसे कहा- आप थोड़ी देर बाहर बैठिए, हमें इस कमरे को अभी और ठीक करना है। मैं उठकर बाहर आ गया और वहाँ मेहमानों के पास बैठ गया। यहाँ बैठे हुए मुझे एक घंटे से भी ज्यादा समय हो गया। तभी भाभी वहाँ आईं और मुझे बुलाकर अंदर कमरे में ले गई।यहाँ मुझे खाना दिया गया। मैं खाना खाकर उठा ही था कि हमारे पड़ोस में रहने वाली अंजलि भाभी आईं और मुझे बोली- हीरा पाया है तुमने जस्सूजी। अब ऐश करिए जिंदगी भर।

मैंने कहा- भाभी, आप स्नेहा से मिलकर आ रहीं हैं ना ?

अंजली भाभी बोली- मिलकर ? अरे उसे आपके पास जाने के लिए तैयार कर रही थी। अब उन्हें देखकर बताइएगा कि कैसी लगी।

मैं गदगद हो गया, वाह अब इत्मिनान से स्नेहा को चोदने में मजा आ जएगा। अंजलि भाभी चली गई, इसके थोड़ी ही देर बाद भाभी व उनके साथ तीन महिलाएँ आईं, मुझसे बोली- चलिए जस्सूजी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं तुरंत खड़ा हुआ और बोला- चलिए।

मेरे यह कहते ही सभी महिलाएँ खिलखिला उठी, उनमें से एक बोली- कितना बेचैन है बिचारा।

अब मैंने बात पलटते हुए कहा- कहाँ चलना है बताइए ना ?

भाभी बोली- आपके कमरे में चलिए जस्सूजी।

मैं खुशी में विभोर हो उनके साथ चल पड़ा। मेरे कमरे के बाहर भाभी ने मुझे रोका और बोली- आप थोड़ी देर यहाँ रूकिए, मैं बस दो मिनट में स्नेहा से मिलकर आती हूँ।

यह बोलकर भाभी अंदर गई और जल्दी ही बाहर आ गई। अब सभी महिलाएँ मुझे मेरे कमरे में दरवाजे के बाहर से ही धक्का देकर कमरा बाहर से बंद कर लिया।

मैं भी अब राहत की सांस लेकर दरवाजे को अंदर से बंद करके पलंग की ओर बढ़ा। स्नेहा पलंग पर घुटने मोड़ कर बैठी हुई थी।

मैंने उसके पास पहुँच कर कहा- अब क्या नई दुल्हन की तरह शर्माते हुए बैठी हो, चलो जल्दी से कपड़े उतारो।

मैं पलंग पर चढ़ने लगा, तभी स्नेहा जल्दी से नीचे उतर गई। मैं भी नीचे आया और बोला- क्या हो गया ?

तभी स्नेहा मेरे पैरों पर गिर कर बोली- आज से आप मेरे भगवान हैं। मुझे अपने से दूर मत कीजिएगा।

मेरी आँखों में आँसू आ गए- अरे, मैं तुम्हें अपने से दूर क्यूं करूँगा। तुम ही मुझे छोड़कर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कहीं मत जाना।

यह कहते हुए मैंने स्नेहा को पलंग पर बिठाया व कहा- आज अपना चेहरा तो दिखा दो। कितनी देर हो गई है, तुम्हें देखने को तरस रहा था मैं !

ऐसा कहकर मैंने उसका चेहरा ऊपर किया और उसे आज भेंट करने के लिए खरीदा नेकलेस उसके गले में डाल दिया। मैंने देखा कि आज तो स्नेहा गजब की सुन्दर दिख रही है। उसकी उपमा किस हिरोइन से करूं, आज तो वह सभी हिरोइनों से भी सुंदर दिख रही थी, मानो परी हो कोई !

वही संगमरमरी रंग, सुतवाँ नाक, आँखें ऐसी मानो किसी ने गोरे खिले रंग पर हरा काजू रख दिया हो। उसका गला देखकर मुझे ऐसा लग रहा था कि यह कुछ भी खाएगी पता चल जाएगा।

उसके स्तन वैसे ही उठे हुए, और आज सबसे ज्यादा देखने की चीज तो उसके चूतड़ थे, ये उसके सीने से भी ज्यादा उठे हुए दिख रहे थे। उसके रूप पर मंत्रमुग्ध हो मैंने स्नेहा से कहा- चलो फटाफट कपड़े उतार दो अब।

स्नेहा बोली- एक मिनट रूकिए, मैं फारमेल्टी तो पूरी कर लूँ।

यह बोलकर वह मेज के पास तक गई और वहाँ रखा गिलास लाकर मुझे देकर बोली- चलिए, इस दूध को जल्दी से खत्म कीजिए।

मैंने उसके स्तन पर हाथ रखा, बोला- आज रात को ये वाला दूध पीया जाता है, चलो निकालो जल्दी।

उसने कहा- ये वाला दूध और चूत दोनों पीने व चोदने को मिलेगी, पर पहले इस दूध को

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पीजिए जल्दी।

मैंने उससे गिलास लिया और दूध पीने के बाद उसी मेज पर रखे जग से और दूध लेकर उसी गिलास में डाला व स्नेहा को देते हुए कहा- लो अब तुम भी जल्दी से पियो।

स्नेहा ने करीब आधा गिलास ही दूध पी और गिलास वहीं रख दिया। स्नेहा को देर करते देख मैंने खुद ही उसके जेवर और कपड़े उतारने शुरू किए।

पहले उसके माथे पर सोने की चेन से लटके हुए तारों को उतारने के लिए दोनो कानों के पीछे बंधी चेन को खोला। अब नाक पर पहनी बड़ी सी नथनी भी उसी चेन से लगी हुई थी, नथनी स्नेहा उतारने लगी।

मैंने उससे कहा- बाली भी निकाल लेना ! और मैं उसके गले के पीछे नेकलेस के हुक खोलने लगा, इसके बाद कमरबंद को निकाला।

सब जेवर उतारकर वह बोली- अब अच्छा लग रहा है।

मैंने पहले उसकी साड़ी, फिर ब्लाउज व पेटीकोट उतारा। अब वह क्रीम रंग की ब्रा-पैन्टी के सेट में थी। उसे देखकर मैं सोच रहा था कि स्नेहा को इस रूप में देखने के लिए मुझसे भी मालदार लोग इस पर ना जाने क्या-क्या लुटाने को तैयार रहते, पर भगवान ने इसे मुझे सौंप दिया। यह सोचकर मैंने अपने भगवान के प्रति दिल से आभार जताया।

स्नेहा अब मेरे कपड़े उतारने लगी। मैंने भी जल्दी-जल्दी कर अपना कुर्ता-पजामा व बनियान को उतारा, अब मैं भी सिर्फ अंडरवियर में था। मैंने स्नेहा को अपनी बांहों में लिया और उसके होंठों को अपने होंठों से दबाया, पहले निचले फिर ऊपर के होंठ को जी भरकर चूसा। इसके बाद जीभ से उसकी जीभ को छेड़ा। काफी देर तक ऐसा करने के बाद अब मैंने उसकी ब्रा का हुक खोलकर ब्रा को पलंग पर फेंका।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने देखा कि उसकी खुली छाती पर तने हुए उरोज अपने सिरे पर गुलाबी छतरी ताने मुझे ललचा रहे थे। मैंने एक तरफ के गुलाबी चुचूक को अपने मुँह में रखा और दूसरे को उंगलियों के बीच फंसाकर हल्के से दबाने लगा। थोड़ी देर बाद दूसरे निप्पल को मुँह में भरा व इधर के निप्पल को उंगलियों से दबाने लगा।

अब मुझे बिस्तर की जरूरत महसूस हुई तो स्नेहा को अपनी गोदी में उठाकर बिस्तर में लाकर डाल दिया। मैं उसके पास पहुँचा वैसे ही स्नेहा ने मेरा अंडरवियर खींचकर नीचे सरका दिया, व मेरे तने हुए लंड को अपने मुँह में भर लिया।

वह गरमा गई थी, लंड को मुंह के जितना अंदर तक ले सकती थी उतने अंदर तक ले रही थी।

अब मुझे लगा कि ऐसे में तो मेरा जल्दी ही गिर जाएगा और यह जीत जाएगी। तो मैं उसके बूब्स को दबाते हुए 69 के पोज में आ गया और उसकी पैन्टी को उतारकर चूत चाटने लगा।

वह इतनी ज्यादा उत्तेजित हो गई थी कि अपनी चूत को मेरे मुंह में डाल देने की कोशिश में अपनी कमर को झटका लगाए जा रही थी। हम दोनों एकदम नंगे होकर एक दूसरे के प्राइवेट पार्ट को पूरी तन्मयता से अपने-अपने भीतर समाने की कोशिश कर रहे थे, पर हमारा यह प्रयास ज्यादा देर नहीं चला पहले मेरा गिरा, मेरे थोड़ी देर बाद ही स्नेहा ने भी अपनी चूत का फ़व्वारा मेरे मुँह में छोड़ दिया। उधर उसने और इधर मैंने मुंह में समाए पूरे माल को गटकने के बाद लंड व चूत को चाटने का कार्यक्रम जारी रखा। यह हमारी सुहागरात की खासियत रही कि हम दोनों ने अपने पार्टनर का माल ना सिर्फ चखकर उसका स्वाद पता किया बल्कि उसे उदरस्त भी किया।

अब हम दोनों एक दूसरे से चिपककर लेट गए। मैंने स्नेहा से कहा- यार आज हमारा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हनीमून हैं, कहते हैं इस दिन वर और वधू अपना यौवन एक दूसरे को जिंदगी भर के लिए सौंपते हैं।

स्नेहा बोली- मैं तो अपना सब कुछ तुम्हें सौंप चुकी हूँ।

मैं बोला- स्नेहा, हम दोनों ने अपना बदन शादी से पहले ही एक दूसरे को दे दिया था। कायदे से हमारा हनीमून तो उस दिन तुम्हारे ही घर में हो गया था। तुम्हारी चूत की झिल्ली का रक्त भी तुम्हारे घर की चादर में ही लगा था। यानि आज तो हम रीति रिवाज से एक दूसरे के हो रहे हैं, नया कुछ भी नहीं है ना ?

स्नेहा बोली- हाँ, यह तो है, तो आज क्या खास किया जाए जिससे हमें आज का दिन हमेशा याद रहे।

मैं बोला- मुझे एक आइडिया आया है, मानो तो बोलूं।

स्नेहा बोली- मानूँगी, आप बोलो तो सही।

मैं बोला- क्यूं ना तुम्हारी गांड की सील तोड़कर हनीमून मनाएँ ?

स्नेहा बोली- यानि तुम्हारा लंड मेरी चूत नहीं गांड में घुसेगा ?

मैं बोला- हाँ कोशिश करते हैं ना।

स्नेहा बोली- पर उसमें बहुत दर्द होगा।

मैं बोला- देखो जैसे चूत में पहली बार लंड जाने से दर्द होता है ना। सो गांड में भी पहली बार लंड जाएगा, तब दर्द तो होगा पर बाद में बहुत मजा आएगा, गांड में भी लौड़ा लेने की इच्छा होगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

स्नेहा बोली- वो तो ठीक है, पर यदि दर्द ज्यादा हुआ तो आप अपना लंड बाहर निकाल लीजिएगा प्लीज।

मैं बोला- एकदम निश्चिंत रहो स्नेहा, जब तुम दर्द को सहन न कर पाओ तो मुझे कह देना मैं तुरंत अपने लंड को बाहर निकाल लूँगा।

इस प्रकार हमने अपनी सुहागरात में गांड के दरवाजे खोलने का निर्णय लिया।

यह नया प्रयोग था, मैंने भी अभी तक किसी की गांड नहीं मारी थी पर गांड मारते समय होने वाले दर्द के बारे में सुना जरूर था।

मैं ड्रेसिंग टेबल से क्रीम और तेल उठा कर लाया। मैंने कहानी की शुरुआत में ही स्नेहा की उभरी हुई गांड के बारे में बताया था। लड़की चोदने को मिले तो हर कोई स्वाभाविक रूप से उसकी चूत ही चोदता है। मैंने भी यही किया पर शादी के बाद तो इसे जिंदगी भर चोद सकूंगा सो अब मेरी नजर स्नेहा की गांड पर थी।

उसके पास पहुँच कर मैंने कहा- तुम मेरे लौड़े पर यह तेल व क्रीम लगाना और मैं तुम्हारी गांड में यह लगाकर बढ़िया मालिश कर देता हूँ।

मैंने पहले उसे घुटने टेक कर कूल्हे ऊपर करने कहा, उसने वैसा ही किया।

मैंने पहले उसके कुल्हों और गाण्ड के पास तेल लगाकर अच्छे से मालिश की, इस दौरान छेद के अंदर भी उंगली डालकर लंड जाने का रास्ता बनाया। फिर गाण्ड में क्रीम लगाकर उसे और चिकना किया। इस प्रकार स्नेहा की गांड अब चुदने को तैयार थी।

गांड से मेरा हाथ हटते ही स्नेहा मेरे लौड़े के पास आई और उस पर तेल डालकर खूब मालिश की। तेल के बाद उसने भी लंड के सुपारे पर खूब क्रीम लगाई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरा लंड भी अब उसकी गांड में जाने तैयार था।

अब मैं भी घुटने के बल ही उसकी गांड के पीछे आया और अपने लंड को उसकी गांड के छेद पर रखा और लंड को धक्का दिया।

लंड का सुपारा थोड़ा सा अंदर हुआ। लंड अंदर जाने से स्नेहा पलंग पर उल्टा ही पूरा लेट गई और बोली- दर्द हो रहा है, बाहर निकालो। पर मैं जानता था कि अभी छोड़ दिया तो फिर नहीं करने देगी। तो मैंने थोड़ा और भीतर घुसा दिया।

अब स्नेहा की कराह व 'लौड़ा बाहर निकालो' की आवाज और तेज हो गई, मैं डरा कि कहीं बाहर लोग जमा न हो जाएँ, स्नेहा से कहा- आवाज नीची करो।

ऐसे में मैं थोड़ा-थोड़ा और अंदर डाल रहा था। स्नेहा की आवाज नहीं रूक रही थी, ना ही वह चुदाई में मुझे सहयोग दे रही थी। अबकी बार मैंने उसे थोड़ा ढांढस बंधाया और लंड को पूरा अंदर कर दिया। उसकी गांड के किनारे फट गए और उनसे खून की हल्की धार निकल रही थी।

मुझे दुख तो हुआ पर खडे लंड के जोश के आगे मुझे उसके दुख ने रुकने नहीं दिया। अब मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दिया और कुछ ही देर में मेरा गिर गया। स्नेहा दर्द से बेहाल थी, मैंने उसे पुचकारना शुरू किया। मेडीबाक्स से डेटाल की शीशी लाया और डेटाल रूई में लगाकर उसकी गाण्ड के चारों ओर लगाया। उसे सामान्य होने में थोड़ा समय लगा। चादर में उसके खून के अलावा थोड़ी गंदगी भी गिर गई थी सो इस चादर को उसने निकालकर पलंग के नीचे ही डाल दी। पलंग पर दूसरी चादर डालकर हम लोग अब लेट गए।

स्नेहा के दर्द को कम करने के लिए मैंने उससे बात शुरू की और उसके बूब्स को सहलाने लगा। कुछ देर बाद वो ठीक हुई और हमने फिर चुदाई का दौर शुरू किया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इस बार मैंने उस पर प्यार की बरसात करते हुए अपने लंड को उसकी चूत में डाला। अब तक सुबह के 5 बज गए थे। हम दोनों एक दूसरे की बाहों में आबद्ध हो सो गए।

तो प्यारे पाठको, यह थी हमारी सुहागरात की बात।

हम दोनों इस रात की बात आज भी करते हैं। हमारी सुहागरात जिसने हमें बहुत खुशी दी, उसकी मुख्य बात यह रही कि किसी भी औरत के शरीर में तीन छेद रहते हैं, मुंह, चूत और गांड, और स्नेहा नें सुहागरात में अपने इन तीनों छेदों में मेरा लंड डलवाया।

मेरी यह कहानी आपको कैसी लगी, कृपया अपनी राय से मुझे अवगत कराएँ।

jawaherjain@yahoo.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

शौहर के भाई ने सुहागरात में मेरी चूत चोद डाली

मैं हिना.. मेरी हाइट 5 फुट 7 इंच, फिगर 34-30-32.. उम्र 21 साल की है। शादी से पहले मुझे चूत चुदाने की बहुत चुल्ल होती थी.. पर मैं शादी से पहले ये सब नहीं करना चाहती थी। मेरी शादी 7 […]
Full Story >>>

सहेली की सुहागसेज पर दूल्हे ने मुझे चोदा-2

अब तक आपने पढ़ा.. साक्षी जिसकी सुहागरात मन ही नहीं पाई थी क्योंकि वो मासिक धर्म से गुजर रही थी.. और उसके पति यानि जीजू मुझे चोदने के चक्कर में थे। अब आगे.. मैं बोली- सच बोल रहे या मेरे […]
Full Story >>>

सहेली की सुहागसेज पर दूल्हे ने मुझे चोदा-1

नमस्कार दोस्तो.. आप सभी पाठकों का धन्यवाद.. जिन्होंने मेरी हिन्दी सेक्स स्टोरी को इतना ज्यादा पंसद किया, मुझे इतना प्यार देने के लिए आप लोगों को फिर से एक बार धन्यवाद। कितने ही पाठक मेरी फेसबुक आईडी मांग रहे हैं, […]
Full Story >>>

लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा-1

मेरा नाम ऋषि है, मैं छत्तीसगढ़ के एक छोटे से गाँव से हूँ। आप सोच रहे होंगे कि यह कैसा शीर्षक है कहानी का ‘लण्ड कट जाएगा.. ऐसा लगा’ यह भी कोई शीर्षक है.. लेकिन यह शीर्षक मेरे और मेरी […]
Full Story >>>

मेरी सहेली की चुदासी चूत की कहानी

दोस्तो, मैं आप को अपनी सहेली मीरा की कहानी सुनाने जा रही हूँ। इसमें उसने मुझे जो बताया उसे सुन कर मैं दंग रह गई कि क्या कोई पति अपनी पत्नी के साथ ऐसा भी कर सकता है। उसने मुझे […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Kambi Malayalam Kathakal

Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Indian Phone Sex

Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Sex Chat Stories

Daily updated audio sex stories.

Urdu Sex Videos

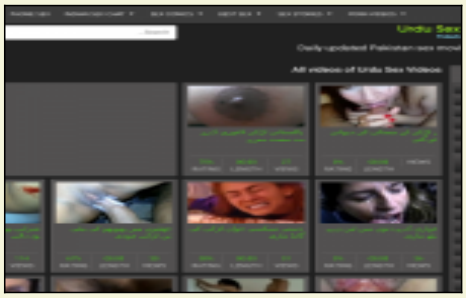

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire